ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड VI अंक X जनवरी -2015

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- सी – डी ओ टी, बिहार में नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- इस माह की ऐग्रीप्रेनेउर : सुश्री. जे. उमामहेश्वरी, तमिलनाडु
- इस माह का संस्थान : के वी के बाभलेश्वर, महाराष्ट्र
- डेयरी उद्यम-वृत्ति उद्यमी विकास योजना (डी ई डी एस)

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थ. ानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शि क्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम : सृजनात्मक कृषि उद्यमियों को उभारने की एक पहल

जनवरी 10, 2015 को बिहार शरीफ के **विकास उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण केंद्र** (सी – डी ओ टी) में नेतृत्व उत्थान पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था भविष्य में व्यवसाय विकास हेतु प्रासंगिक नेतृत्व सिद्धान्त और भावनात्मक प्रज्ञता के घटकों के निर्माण की पद्धति और व्यक्तिगत नेतृत्व कौशल के विकास के विषय में ज्ञान प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षुओं को सीखने के लिए संवादात्मक और अनुभवात्मक माहौल प्रदान करना। सी – डी ओ टी, बिहार शरीफ और एच आर सोल्युशंस, पटना, बिहार ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु एक विशिष्ट मॉड्यूल तैयार किया गया था। इसके पहले सत्र का संचालन श्री. एम. के सिन्हा, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई आई एम) कोलकाता के पूर्व छात्र द्वारा 'सकारात्मक सोच की शक्ति' विषय पर किया गया। उन्होंने स्व-प्रेरणा, सकारात्मक सोच, स्वयं से की जाने वाली नकारात्मक बातों को कम करने, आलोचनाएँ कम करने, भगवान के लिए आभार, सकारात्मक शब्दों की शक्ति, इच्छा शक्ति के निर्माण के लिए ध्यान, प्रेरणादायक साहित्य पढ़ने और नकारात्मक व्यक्तियों से दूर रहने के महत्व पर बल दिया।

इस सत्र में प्रतिभागियों ने स्वयं के बारे में, उनके व्यक्तिगत मूल्यों, शक्तियों, कठिनाईयों और उनकी वरीय नेतृत्व शैली के विषय में अधिक जाना। दूसरे सत्र का संचालन इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस (आई एस बी), हैदराबाद के श्री अतुल प्रियदर्शनी द्वारा किया गया। उन्होंने उद्यमवृत्ति के गुण और कौशल को चिन्हांकित किया जिसमे जोखिम लेने की क्षमता, प्रोत्साहन, कौशल, लचीलाता, दीर्घकालिक दृष्टि, कुछ नया करने की योग्यता, नवीनतम प्रौद्योगिकी उन्मुखीकरण, विनम्रता, साहस, दृढ़ संकल्प, ग्राहक पर फोकस, अनुकूलनशीलता, आदि शामिल थे। उम्मीदवारों ने संचार कौशल सीखा और अपने साथी कर्मचारियों तक अपने विचार पहुंचाने का ढंग सीखा।

पृष्ठ सं-4 पर जारी .....

सुश्री. जे. उमामहेश्वरी का कहना है 'रिच मसाला में परंपरा और तकनीक का सर्वथा मिश्रण'

सुश्री. जे. उमामहेश्वरी

सुश्री. जे. उमामहेश्वरी (42) एक गृहणी, एक इंजीनियर, एक कृषि उद्यमी और रिच मसाला प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की निदेशक हैं। बाहर जाकर कार्य न करने को उचित सिद्ध करने हेतु उन्होंने सामान्य से अलग नूतन विचारों द्वारा अपने लिए एक अलग मौका तलाश किया है। परंपरा को तकनीक के साथ मिलाने के उनके विचार ने उन्हें एक सफल महिला कृषि उद्यमी बना दिया। सुश्री. उमामहेश्वरी तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय कोयम्बटूर से बीई (कृषि) स्नातक है। शादी के पश्चात, उनकी दिलचस्पी ने उद्यमवृत्ति का मार्ग पहली बार तब चुना जब उन्होंने अपने घरेलू व्यवसाय कृषि-उत्पाद व्यापार में सहायता देना आरंभ किया। इस समय उनमे और अधिक सीखने की और कृषि व्यवसाय में अनुभव प्राप्त करने की उमंग थी। वर्ष 2007 में उन्हें स्थानीय समाचार-पत्र द्वारा मैनेज - हैदराबाद के एसी और एबीसी योजना के विषय में पता चला। उनके सहपाठियों, जिन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था इन्हें वालन्टरी असोशिएशन फॉर पीपल सर्विस (वीएपीएस), मदुरै द्वारा दिये जा रहे प्रशिक्षण के बारे में सूचित किया जो निष्ठापूर्वक मैनेज के प्रशिक्षण मॉड्यूल का अनुसरण कर रहा हैं, और क्षेत्रीय दौरे और बाज़ार के सर्वेक्षण द्वारा क्रियाशील अनुभव प्रदान कर रहा है। इस सूचना पर अमल करते हुये उन्होंने वीएपीएस, मदुरै, तमिलनाडु में एसी और ए बी सी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण के पश्चात उन्होंने चार महिला सहयोगियों की सहायता से 'अरुणोदया वैल्यू एडिशन एंड कंसल्टेंसी' नामक एक फ़र्म की शुरुआत की। शुरुआती दिनों में उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। हालांकि, बढ़ते अनुभव के साथ, मसाला पाउडर और मसाला मिश्रण जो अपनी महक और स्वाद बनाए रखे ऐसे मसालों के विनिर्माण की आवश्यकताओं से मेल करने के लिए उन्होंने अनुकूल परिवर्तन किए। खाद्य सुरक्षा और प्रमाणन पर ध्यान केन्द्रित रखने के मद्देनजर, वर्ष 2011 में उन्होंने "रिच मसाला" के ब्रांड नाम के तहत अपने उत्पादों के लिए "भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसआई) ट्रेड मार्क" हेतु आवेदन किया । आज "रिच मसाला" मसालों का सम्राट बन गया है और लाखों लोगों के घरों में मुख्यतः दक्षिणी राज्यों में एक घरेलु नाम बन गया हैं। रिच मसाला की सफलता उसके विनिर्माण प्रक्रिया के नवाचार में निहित है क्योंकि मसालों और मसालों के मिश्रण के विशिष्ट उत्पादन के लिए कोई निश्चित मशीनरी उपलब्ध नहीं थी। मसालों के कच्चे माल को बिना उनकी प्राकृतिक गुणवत्ता, स्वाद और खुशबू खोये सुखाने के लिए एशिया की एक मसाला कंपनी से बड़े सौर ताप चैनल का उपयोग किया गया। सुश्री. उमामहेश्वरी का कहना है कि, "आज रिच मसाला उच्च गुणवत्ता के मसाले बना सकता है क्योंकि जिन सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है वे प्रसंस्कृत होते हैं और उनकी पैकिजिंग भी स्वास्थ्यकर ढंग से की जाती हैं। यह फ़र्म तमिलनाडु के 50 गाँवों के 100 कृषकों से कच्चा उत्पाद खरीदता है और उन्हें पे-बैक-मोड के आधार पर निर्माता–सह–ग्राहक के रूप में औपचारिक रूप से पंजीकृत किया है। इसके अतिरिक्त, यह कंपनी कृषि श्रमिकों और बेरोजगार नौजवानों के लिए मौसम-वार रोजगार अवसर पैदा करती हैं। इस कंपनी ने छः व्यक्तियों मुख्यतः महिलाओं को नियुक्त किया है। इस कंपनी का वार्षिक कारोबार रु.12/- लाख है। इस कंपनी की भविष्य परिकल्पना है रिच मसाला का निर्यात करना और ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हाई-टेक मशीने स्थापित करना। साथी कृषि उद्यमियों को सुश्री. उमामहेश्वरी का संदेश है कि, "अपने संपर्कों को मूल्य में परिवर्तित करें और सफलता का फल चखें"।

रिच मसाला के विभिन्न उत्पाद

सुश्री. जे. उमामहेश्वरी

16 A 1, श्री राम नगर, 3 स्ट्रीट ईस्ट, पोडानुर, कोयम्बटूर – 641023. ई-मेल आईडी: export@richmasala.com, मोबाइल सं: 9976091119

कृषि विज्ञान केंद्र (पायरेन्स) – बाभलेश्वर – एसी एंड एबीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा डिजिटल उद्यमिता का मार्ग प्रशस्त करना

'नेशनल बेस्ट केवीके अवार्ड' के दो बार विजेता रहे कृषि विज्ञान केंद्र (पायरेन्स) – बाभलेश्वर 'करते हुये सीखना और कार्य अनुभव से सीखना' इस मंत्र के प्रयोग से ग्रामीण समुदाय की भलाई के लिए सहजता से कार्य कर रहा है। माननीय पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल द्वारा 1985 में स्थापित प्रवरा इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड एडुकेशन इन नैचुरल एंड सोश्ल साइन्स (पायरेन्स) के अंतर्गत किए जा रहे कार्य को श्रेय देते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) नई दिल्ली ने वर्ष 1992 में कृषि विज्ञान केंद्र को स्वीकृति दी। के वी के बाभलेश्वर प्रमाणित तकनीकों और प्रशिक्षण के मूल्यांकन, परिमार्जन और निरूपण के द्वारा तकनीकों का प्रसार कर रहा हैं। कृषि विज्ञान केंद्र, बाभलेश्वर वर्ष 2004 से एसी और एबीसी योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस संस्थान ने 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और 529 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है जिसमे से 302 प्रतिभागियों ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे ऐग्री-क्लीनिक, ऐग्री-बिज़नस सेंटर, कुक्कट पालन, बकरी पालन, पशु चिकित्सालय, फार्म मशीनरी इकाई, सूक्ष्म पोशाक तत्वों और जैविक उर्वरकों का उत्पादन, कृषि परामर्श, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, डेयरी यूनिट, बीज प्रसंस्करण और ग्रेडिंग, आदि में सफलतापूर्वक कृषि व्यापार स्थापित किए है।

के वि के बाभलेश्वर में कृषि उद्यमी

एसी और एबीसी के प्रसार के लिए संस्थान की नवीन पद्धतियाँ :

- एसी और एबीसी योजना के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए बैंकरों, नाबार्ड और अन्य स्टेकहोल्डरों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करना, बैंकों के पास लंबित प्रस्तावों का पुनरीक्षण करना और ऋण के लिए परियोजना प्रस्तावों को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का पुनर्मूल्यांकन करना।
- कृषि व्यवसाय केंद्र प्रारम्भ करने के लिए बीजिनेस लाइसेन्स प्राप्त करने तथा नए व्यापार प्रारम्भ करने हेतु प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को पूरा करने में कृषिउद्यमियों को नियमित रूप से समर्थन देना।
- के वी के विशेषज्ञों की मध्यस्तता के साथ कृषि उद्यमियों की उन्नति तथा समस्याओं पर विचार-विमर्श करने एवं कृषि उद्यमियों के समूह बनाने को प्रोत्साहित करने के लिए मासिक बैठकों को आयोजित करना।
- एसी और एबीसी निर्देश सूत्र, शिक्षण सामग्री, नाबार्ड प्रायोजित योजनाओं पर सूचना, एन एच एम, ए टी एम ए, स्थापित कृषि उद्यमियों की सफल कहानियाँ, परियोजनाएं इत्यादि ई-साहित्य प्रशिक्षार्थियों को देना।
- अहमद नगर जिले के 8.5 लाख हिस्सेदारों के लिए 90.8 मेगाहट्र्ज एफ़एम के वी के प्रवरा कम्यूनिटी रेडियो स्टेशन द्वारा एसी और एबीसी योजना के अंतर्गत कृषि उद्यमियों की सफल कहानियों का नियमित प्रस्तुतीकरण।
- मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए कृषि उद्यमियों को गुणवत्ता आश्वासन प्रमाण पत्र देने का प्रावधान।
- पूंजी आवश्यकता, जोखिम रूपरेखा, ऋण वसूली और क्रेडिट लिंकेज को बढ़ाने के तरीके जैसे मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कृषि उद्यमियों को आमंत्रित कर बैंकरों की बैठक आयोजित करना।
- "एसी और एबीसी द्वारा तकनीकों का प्रसार बढ़ाना : के वी के – अहमदनगर का अनुभव" नामक पुस्तक में 18 कृषि उद्यमियों की सफल कहानियों का प्रकाशन किया गया।
- कृषि उद्यमियों के लिए के वी के बाभलेश्वर द्वारा पहली बार शुरू की गयी मोबाइल अलर्ट सेवा का प्रयोग।

डॉ. भास्कर गायकवाड़,
नोडल अधिकारी

एसी और एबीसी की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ :

कुल 529 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और 302 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक कृषि व्यवसाय स्थापित किए। सफलता का दर 57% है। सुश्री. कविता बिदवे-जाधव (एमएस 4333) को "सकल और मिट्कोण, पुणे द्वारा महाराष्ट्र उद्योगीनी अवार्ड–2014" और "इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीस –(आईएमएस) अहमदनगर" द्वारा आदर्श उद्योजक अवार्ड-2014" द्वारा सम्मानित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र, बाभलेश्वर
तालुका-रहाता जिला अहमदनगर एमएस–पिन: 413 737, महाराष्ट्र। फोन: 02422-252414, मोबाइल: 09822519260,
ई-मेल- आईडी – kvkahmednagar@yahoo.com, gaikwadbh@yahoo.com , Skype Id: gaikwadbh

पृष्ठ 1 से जारी.....

श्री. एम के सिन्हा ने व्यक्तित्व विकास की मूल बातें सिखाकर समापन सत्र का पदभार संभाला। व्याख्यान हिन्दी में था तथा अच्छी समझ के लिए बीच-बीच में अँग्रेजी का भी प्रयोग किया गया। प्रशिक्षण का अंदाज़ समवादमूलक था जिसमे पावरपोईंट, श्रव्य दृश्य, सीधा प्रसारण, वार्तालाप गतिविधि, कहानियों का सीधा प्रयोग किया गया। विकास उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण केंद्र, सी-डीओटी-बिहार शरीफ, बिहार के नोडल अधिकारी श्री. आर. आर. कल्याण का कहना है कि, "प्रत्याशित परिणामों ने कृषि उद्यमियों को और अधिक निश्चयी, वृत्तिक बना दिया और उनके अंतर्वैयक्तिक कौशल को बढ़ाया ताकि वे अपने आप को विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के समक्ष प्रभावपूर्ण तरीके से पेश कर सके और एक सफल व्यवसायी बनकर उभरे"।

!!! क्या आप जानते हैं !!!

नाबार्ड एक महत्वपूर्ण सरकार प्रायोजित योजना "डेयरी उद्यम-वृत्ति उद्यमी विकास योजना (डीईडीएस)" चला रहा है। कृषि उद्यमी जो डेयरी के क्षेत्र में अपना ऐग्री-वैंचर शुरू करना चाहते है, वें अधिक सूचना के लिए कृपया निम्नलिखित वेब लिंक देखे:
https://www.nabard.org/english/deds.aspx

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

""कृषिउद्यमी" श्री के सत्यगोपाल, आईएएस, महानिदेशक (मैनेज)
द्वारा प्रकाशित

हमसे संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र, (सीएडी)
कृषि विस्तार प्रबंधन के राष्ट्रिय संस्थान (मैनेज)
(मैनेज), राजेंद्रनगर, हैदराबाद, पिन-500 030, भारत
ई-मेल: indianagripreneur@manage.gov.in
वेबसाइट: www.agriclinics.net
कृषि उद्यमी का टोल फ्री हेल्पलाइन नं: 1800 425 1556

प्रमुख संपादक : डॉ. के. सत्यगोपाल, आईएएस
संपादक : डॉ. पी चन्द्रशेखर
सहयाक संपादक : डॉ. लक्ष्मीमूर्ति
: सुश्री ज्योति सहारे
हिन्दी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली